AC 01.09.23 ITEM NO: 13.1

Deccan Education Society's

Kirti M. Doongursee College of Arts, Science and Commerce (AUTONOMOUS)

Affiliated to

UNIVERSITY OF MUMBAI

Syllabus for
Program: Bachelor of Arts
Course: FYBA
Subject: Hindi

Choice Based Credit System (CBCS)
with effect from
Academic Year 2023-2024

PROGRAM OUTCOMES

PO	Description
A student completing Bachelor's Degree in **Arts** Program will be able to	
PO1	हिंदी भाषा की प्रारंभिक स्तर से लेकर वर्तमान के बदलते रूपों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
PO2	भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ साथ ,व्यवहारिक रूप भी जाना जा सकता है।
PO3	उच्च शैक्षिक स्तर किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती, इससे संबंधित परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।
PO4	भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप को भी जान सकते हैं।
PO5	प्रयोजनमूलक हिंदी, पत्रकारिता ,अनुवाद आदि के अद्यापन अध्ययन के द्वारा व्यवसायिकता के क्षमता में बढ़ावा प्राप्त होगा।
PO6	भारतीय साहित्य के अध्ययन से छात्रों के ज्ञान विस्तार तथा अभिव्यक्ति क्षमता में विकास होगा।
PO7	साहित्य के माध्यम से सौंदर्यबोध, नैतिकता,सामाजिक समरसता, पर्यावरण संबंधी विषयों की समझ विकसित होगी।
PO8	भाषाई और साहित्यिक क्षमता में सघन होंगे।गंभीर समीक्षात्मक और स्वतंत्र चिंतन के लिए सक्षम होंगे।

Deccan Education Society's

Kirti M. Doongursee College (Autonomous)

Proposed Curriculum as per NEP 2020 Year of implementation- 2023-24

Name of the Department: HINDI

Semester	Course Code	Course Title	Vertical	Credit
I	K23UAHINMJ111	प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास।	Major	4
	K23UAHINMJ112	मध्यकालीन कवि कबीर और मालिक मोहम्मद जायसी	Major	2
	K23UAHINVSC141	आधुनिक हिंदी व्याकरण एवं रचना	VSC	2
	K23UAHINSEC151 L3	हिंदी साक्षात्कार	SEC	1
II	K23UAHINMJ211	हिंदी साहित्य का इतिहास आधुनिक काल	Major	4
	K23UAHINMJ212	वनगंगी मुक्त है (उपन्यास)- विवेकी राय	Major	2
	K23UAHINMR221	प्रयोजन मुलक हिंदी	MR	2
	K23UAHINVSC241	सोशल मीडिया।	VSC	2
	K23UAHINSEC251 L3	हिंदी साक्षात्कार	SEC	1

Course Code	MAJOR SEM – I	Credits	Lectures/Week
K23UAHINMJ111	**PAPER I** प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास.	**4**	**4**

Course Outcomes:

After successful completion of this course, students would be able to

- विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के इतिहास की व्यापक जानकारी प्राप्त होगी।
- साहित्य की अविरल धारा का परिचय प्राप्त होगा ।
- हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं का व्यापक और क्रम बद्ध ज्ञान प्राप्त होगा ।
- विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के प्राचीन और मध्यकालीन ,साहित्य का बोध कराते हुए परिवेश को समझ पाएंगे ।
- हिंदी साहित्य के इतिहास के विकासक्रम को समझ पाएंगे ।

Unit	Topics	No of Lectures
I	हिंदी साहित्य का इतिहास नामकरण और काल विभाजन की समस्या	**15**
II	आदिकाल- (क्)आदिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि। (ख) सिद्ध, नाथ, जैन एवं रासो साहित्य की सामान्य विशेषताएं।	**15**
III	भक्तिकाल - (ग) भक्ति कालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि। (घ) संत, सूफी, राम ,कृष्ण काव्य की सामान्य विशेषताएं।	**15**
IV	रीतिकाल - (च) रीतिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि। (छ) रीतिबद्ध ,रीतिमुक्त एवं रीतिसिद्ध काव्य की विशेषताएं।	**15**

Textbooks / Additional References:

- हिंदी साहित्य का इतिहास डॉ.नगेंद्र -संपादक मयूर पेपर बैक नई दिल्ली.
- हिंदी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी वाणी प्रकाशन दिल्ली.
- हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल ,लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद.
- हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियां- डॉ.जय किशन प्रसाद खंडेलवाल, विनोद पुस्तक मंदिर प्रकाशन आगरा.
- हिंदी साहित्य युग और प्रवृतियां डॉक्टर शिवकुमार शर्मा ,अशोक प्रकाशन नई दिल्ली.

Course Code	MAJOR SEM – I	Credits	Lectures/Week
K23UAHINMJ112	**PAPER 2** मध्यकालीन कवि : कबीर और मलिक मोहम्मद जायसी	2	2

Course Outcomes:

After successful completion of this course, students would be able to

- भक्ति कालीन आंदोलन महत्वपूर्ण भारतीय परंपरा।
- मनुष्य के सर्वोपरि भक्ति काव्य।
- सामाजिक उत्थान के लिए महत्वपूर्ण योगदान।
- सामाजिक न्याय का महत्वपूर्ण चरण को समझ पाएंगे।
- मानव मुक्ति के लिए साहित्य का योगदान ।

Unit	Topics	No of Lectures
I	कबीर: व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय। साखि- 1) गुरुदेव के अंग 2) मन का अंग पद - 1) को रे जागत रहियो माई - 23 2)पांडे कौन कुमति तोहि लागी - 39 3) पंडित वाद वदंते झूठा -30 4) मन रे हरि भज हरि भज भाइ- 102 5) पंडित होइ सुपरहि दिखाई - 159	15
II	जायासी : व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय। 1) सिंहल द्वीप वर्णन खंड,प्रथम 05 दोहे तक 2) नागमती वियोग खंड, प्रथम 05 दोहे तक	15

Textbooks:

1) कबीर ग्रंथावली : संपादक - श्यामसुंदर दास
2) जायसी ग्रंथावली : संपादक - रामचंद्र शुक्ल

/Additional References:

- हजारी प्रसाद द्विवेदी - कबीर (कबीर ,उनका सहित्य और उनके दार्शनिक विचारों की अलोचना)- हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर मुम्बई
- सं. प्रभाकर श्रोत्रिय- कबीरदास विविध आयाम, प्रकाशक भारतीय भाषा परिषद कोलकता 2002
- सं. सुदर्शन चोपडा - कबीर परिचय तथा रचनाएं , प्रकाशक हिन्दी पॉकेट बूक्स जनवरी 2002.
- सं. एस एस गौतम- संत कबीर विचार दर्शन , प्रकाशक गौतम बुक सेंटर दिल्ली.
- डॉ. रामकुमार वर्मा - संत कबीर , सहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद.
- डॉ. राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी और डॉ. गंगासहाय 'प्रेमी' -आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा संपादित ,जायसी ग्रंथावली पदमावत, प्रकाशक साहित्य सरोवर संस्करण जनवरी 2020.
- डॉ. शिवसाहय पाठक- मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्दरप्रकाशक्र ' ग्रंथम ' रामबाग कनपुर

Course Code	VOCATIONAL SKILL COURSE SEM – I	Credits	Lectures/Week
K23UAHINVC141	आधुनिक हिंदी व्याकरण एवं रचना ।	2	2

Course Outcomes:

After successful completion of this course, students would be able to

- भाषाई शुद्धता के प्रति रुचि निर्माण होगी ।
- रचनात्मक अभिव्यक्ति को समझेंगे।
- लेखन प्रक्रिया को समझ पाएंगे।
- लेखन के संबधित नियमों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- भाषा को वैज्ञानिक दृष्टि से देखनें में सक्षम होंगे।

Unit	Topics	No of Lectures
I	भाषा और व्याकरण (Language and Grammar,) विराम रीतिकालीन चिन्हे (Punctuation) वर्ण विचार (Phonology),अशुद्धवाक्यों को शुद्ध करना (Correction of Incorrect Sentence)	15
II	वर्तनी व्यवस्था (Spelling),शब्द रचना (Word Formation) शब्द भंडार **(Vocabulary)** ,शब्द विचार (Morphology)	15

Textbooks/Additional References:

- आधुनिक हिंदी व्याकरण एवं रचना - मीनू कथुरिया 'कपिल ' , प्रकाशक वी कुमार पब्लिकेशन प्रा लिमिटेड ,नई दिल्ली।
- हिंदी व्याकरण रचना - संपादक श्री दाभोलकर और अशोक कामत।
- व्यावहारिक हिंदी - डॉक्टर विराज।

Course Code	SKILL ENHANCEMENT COURSE SEM – I -हिंदी साक्षात्कार	Credits	Lectures/ Week
K 23 U A HIN SC 151	Paper I	2	2

Course Outcomes:

After successful completion of this course, students would be able to

- साक्षात्कार एक व्यवस्थित पद्धति जिसमें वैचारिक बढ़ावा प्राप्त होगा।

  साक्षात्कार मनोवैज्ञानिक पद्धति है जिसमें छात्र संवाद में सक्षम होंगे।

- आवेदक ,कौशल,अनुभव और व्यक्तित्व की अवध्यक्ताओं की पूर्ति करेंगे।

- छात्रोंकि अंतरिक अवलोकन करने की क्षमता बढ़ेगी।
- साक्षाात्कार का मुख्य लक्ष विषय से संबधित अनुभूतियों को प्राप्त करना।

Unit	Topics	No of Lectures
I	साक्षात्कार का अर्थ,स्वरुप और परिभाषएं	15
	साक्षात्कार की विशेषताएँ, साक्षात्कार का उद्देश।7	

Textbooks/Additional References:

- बुनियादी साक्षात्कार कोशल- रेमंद गोद् **1992**
- साक्षात्कार की क्ल- जेम्स स्टोरी 2016
- Interview like a Boss - Hans Van Nass

Course Code	MAJOR SEM – II	Credits	Lectures/Week
K23UAHINMJ211	**Paper I** हिंदी साहित्य का इतिहास **(** आधुनिक काल**)**	**4**	**4**

Course Outcomes:

After successful completion of this course, students would be able to

- भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास के साथ साथ तत्कालीन युगबोध से अवगत होंगे।
- आधुनिक हिंदी साहित्य को सकझ पाएंगे।
- सामजिक जीवन मूल्यों की दशा और दिशा की रुपरेखा का परिचय मिलेगा।
- हिंदी साहित्य के आधुनिकता के उद्भव और विकास का ज्ञान होगा।
- आधुनिक भारत के सामाजिक,सांस्कृतिक एवं राजनैतिक विकास का आकलन।

Unit	Topics	No of Lectures
I	आधुनिक् काल की पृष्ठभूमि सामाजिक ,आर्थिक,राजनैतिक, संस्कृतिक आदि	**15**
II	भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग,विशेषताएं और रचनाकार	**15**
III	छायावाद, प्रगतिवाद,नई कविता ,विशेषताए एवं रचनाये और रचनाकार।	**15**
IV	हिंदी गदय की प्रमुख विधायें नाटक, उपन्यास, निबंध, कहानी का विकास और गदय साहित्य।	**15**

Textbooks/Additional References:

- सिंह बच्चन हिंदी साहित्य का दुसरा इतिहास,राधाकृषण प्रकाशन नई दिल्ली।1996
- तिवारी रामचंद्र - हिंदी का गदय साहित्य ,विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।1992
- सिंह नामवर - आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृतिया ,राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
- चतुर्वेदी रामस्वरूप हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास,लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद।

Course Code	MAJOR SEM – II	Credits	Lectures/Week
K23UAHINMJ21	**Paper II** **'वनगंगी मुक्त है' (उपन्यास) -** विवेकी राय	**2**	**2**

Course Outcomes:

After successful completion of this course, students would be able to

- उपन्यास के माध्यम से आँचलिक जीवन का परिचय होगा।
- रचनात्मक अभिव्यक्ति प्राप्त होगी।
- यतार्थ चित्रण की अभिव्यक्ति होगी।
- उपन्यास के तत्व के आधारपर रचना की क्षमता को प्राप्त कर सकते है।
- रचनात्मक रुचि निर्माण होगी।

Unit	Topics	No of Lectures
I	हिंदी उपन्यास साहित्य का विकास । विवेकी राय का साहित्यिक योगदान ।	**15**
II	उपन्यास का कथ्यगत विश्लेषण । उपन्यास में आँचलिकता ।	**15**

Textbooks:

- 'वनगंगी मुक्त है' -विवेकी राय, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी 1994

Additional References:

- हिंदी उपन्यास शिल्प एवं प्रवृतिया - सुरेश सिन्हा
- वनगंगी मुक्त है एक आकलन - दयानन्द भुबाल
- हिंदी उपन्यास साहित्य - पडूमलाल पन्नुलाल बक्शी
- हिंदी उपन्यास वस्तु और शिल्प - सं सुषमा प्रियदर्शनी

Course Code	MINOR SEM – II	Credits	Lectures/Week
K23UAHINMR22	प्रयोजन मूलक हिंदी	2	2

Course Outcomes:

After successful completion of this course, students would be able to

- राजभाषा हिंदी के संविधानिक प्रावधानों सकझ सकेंगे।
- व्यावहारिक जीवन में प्रयोजन मुलक हिंदी का इस्तेमाल करेंगे।
- संपर्क भाषा हिंदी के महत्व को समझ पाएंगे।
- हिंदी भाषा के विविध प्रायोजनों से अवगत होंगे।
- प्रयोजन मुलक हिंदी का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त होगा।

Unit	Topics	No of Lectures
I	प्रयोजन मूलक हिंदी के विविध रूप कार्यालय पत्राचार	15
II	परिभाषिक शब्दावली आलेखन ,टिप्पण, प्रेस ,विज्ञप्ति	15

Textbooks/Additional References:

- प्रयोजन मूलक हिंदी - विनोद गोदरे
- अभिनव व्यवहारिक पत्र लेखन - डॉक्टर अनिल सिंह
- प्रयोजन मूलक हिंदी स्वरूप और व्याप्ति - तेजपाल चौधरी
- प्रयोजन मूलक हिंदी के विविध आयाम- डॉक्टर पंडित बन्ने
- प्रयोजन मूलक हिंदी - राधे मोहन शर्मा

Course Code	VOCATIONAL SKILL COURSE SEM – II -	Credits	Lectures/Week
K23UAHINVC24	सोशल मिडिया हिंदी	2	2

Course Outcomes:

After successful completion of this course, students would be able to

- तकनीकी मे विशेष ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- सोशल मिडिया के माध्यम से रोजगार की पूर्ति होगी।
- सोशल मिडिया के माध्यम के द्वारा छात्रों नए शैक्षणिक नए आयाम खुलेंगे।
- सोशल मीडिया के स्वरूप तथा महत्व को जान सकेंगे।
- हिंदी भाषा के अध्ययन से अपने भविष्य निर्माण कर सकेंगे।

Unit	Topics	No of Lectures
I	सोशल मीडिया का अर्थ ,परिभाषा और स्वरूप। सोशल मीडिया के प्रकार, सोशल मीडिया का विकास , फेसबुक,व्हाट्सप, ट्वीटर, इंस्टांग्राम।	15
II	सोशल मीडिया में हिंदी का प्रयोग और प्रचार हिंदी और युटुब ।	15

Textbooks/Additional References:

- उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक - हर्षदेव
- पत्रकारिता से मीडिया तक - मनोज कुमार
- सोशल मीडिया - योगेश पटेल
- आधुनिक जनसंचार और हिंदी - हरिमोहन
- हिंदी वेब साहित्य - सुनील कुमार टाइटल,

Course Code	SKILL ENHANCEMENT COURSE SEM – II -हिंदी साक्षात्कार	Credits	Lectures/ Week
K23UAHINSEC252 L-3	Paper II	1	1

Course Outcomes:

After successful completion of this course, students would be able to

- साक्षात्कार एक व्यवस्थित पद्धति जिसमें वैचारिक बढ़ावा प्राप्त होगा।

  साक्षात्कार मनोवैज्ञानिक पद्धति है जिसमें छात्र संवाद में सक्षम होंगे।

- आवेदक ,कौशल,अनुभव और व्यक्तित्व की अवध्यक्ताओं की पूर्ति करेंगे।
- छात्रोंकि अंतरिक अवलोकन करने की क्षमता बढ़ेगी।
- साक्षाात्कार का मुख्य लक्ष विषय से संबधित अनुभूतियों को प्राप्त करना।

Unit	Topics	No of Lectures
II	साक्षात्कार के लिए प्रस्तुति,साक्षात्कार के गुण, सिमाए और महत्व।	15
	साक्षात्कार के लिए मार्गदर्शक तत्व,प्रकार,संरचना आयोजन,सफल साक्षात्कार लेने के दिशा निर्देश।	

Textbooks/Additional References:

- बुनियादी साक्षात्कार कोशल- रेमंद गोद्र् **1992**
- साक्षात्कार की क्ल- जेम्स स्टोरी 2016
- Interview like a Boss - Hans Van Nass

Evaluation Scheme for First Year (UG) under NEP (4 credits)

I. Internal Evaluation for Theory Courses – 40 Marks

1) Continuous Internal Assessment(CIA) Assignment - Tutorial/ Case Study/ Project / Presentations/ Group Discussion / Ind. Visit. – 20 marks

2) Continuous Internal Assessment(CIA) ONLINE Unit Test – 20 marks

II. External Examination for Theory Courses – 60 Marks

Duration: 2 Hours

Theory question paper pattern:

Question	**Based on**	**Marks**
Q.1	**Unit I**	**15**
Q.2	**Unit II**	**15**
Q.3	**Unit III**	**15**
Q.4	**Unit IV**	**15**

-

· All questions shall be compulsory with internal choice within the questions.

· Each Question may be sub-divided into sub questions as a, b, c, d, etc. & the allocation of Marks depends on the weightage of the topic.

III. Practical Examination

· Each core subject carries 50 Marks

· Duration: 3 Hours for each practical course.

· Minimum 80% practical from each core subjects are required to be completed.

· Certified Journal is compulsory for appearing at the time of Practical Exam

NOTE: To pass the examination, attendance is compulsory in both Internal & External (Theory + Practical) Examinations.

-

Evaluation Scheme for First Year (UG) under NEP (2 credits)

I. Internal Evaluation for Theory Courses – 20 Marks

1) Continuous Internal Assessment(CIA) Assignment - Tutorial/ Case Study/ Project / Presentations/ Group Discussion / Ind. Visit. – 10 marks

2) Continuous Internal Assessment(CIA) ONLINE Unit Test – 10 marks

II. External Examination for Theory Courses – 30 Marks

Duration: 1 Hours

Theory question paper pattern: All questions are compulsory.

Question	**Based on**	**Marks**
Q.1	**Unit I**	**15**
Q.2	**Unit II**	**15**

- All questions shall be compulsory with internal choice within the questions.
- Each Question may be sub-divided into sub questions as a, b, c, d, etc. & the allocation of Marks depends on the weightage of the topic.

III. Practical Examination

- Each core subject carries 50 Marks.

- Duration: 2 Hours for each practical course.
- Minimum 80% practical from each core subjects are required to be completed.
- Certified Journal is compulsory for appearing at the time of Practical Exam

NOTE: To pass the examination, attendance is compulsory in both Internal & External (Theory + Practical) Examinations.